आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 20.02.2026 समय : 1905

<><><><><><><><>

1. इंडिया ए आई इम्पैक्ट समिट में भारत–अमेरिका ने पैक्स सिलिका घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत भारत और अमेरिका महत्वपूर्ण खनिजों और ए आई क्षेत्र में परस्पर सहयोग करेंगे।
2. कार निकोबार के टी–टॉप तट पर ऑलिव रिडले कछुओं की लगातार नेस्टिंग दर्ज की गई। विशेषज्ञों ने इस तट को नेस्टिंग साइट घोषित करने की मांग की।
3. राजधानी श्री विजयपुरम स्थित भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण में विश्व मानवविज्ञान दिवस मनाया गया।
4. भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के क्षेत्रीय केन्द्र में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग में सूचना प्रौद्योगिकी का कार्यसाधक ज्ञान विषय पर त्रैमासिक दो–दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयेजन हुआ।

<><><><><><><><>

नई दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान भारत और अमेरिका ने आज 'पैक्स सिलिका' घोषणा–पत्र पर हस्ताक्षर किए। यह घोषणा–पत्र महत्वपूर्ण खनिजों, अर्धचालकों के उत्पादन तथा तेजी से विकसित हो रहे कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को सुदृढ़ करेगा। इस अवसर पर केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत का लक्ष्य अर्धचालक और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योगों में अग्रणी भूमिका निभाना है। उन्होंने बताया कि देश के विभिन्न राज्यों से विद्यार्थी चिप अभिकल्पना (डिज़ाइन) में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज विद्यार्थियों के पास विश्व के श्रेष्ठ अर्धचालक अभिकल्पना उपकरण उपलब्ध हैं। सिनॉप्सिस, केडेंस और सीमेंस जैसी कंपनियों के ये उपकरण विद्यार्थियों को पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं। श्री वैष्णव ने यह भी बताया कि भारत का पहला अर्धचालक संयंत्र शीघ्र ही वाणिज्यिक उत्पादन प्रारंभ करेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका और अन्य सहभागी देशों के साथ मिलकर भारत 'पैक्स सिलिका' पहल के माध्यम से अर्धचालक इलेक्ट्रॉनिक्स मूल्य श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। इससे देश के इलेक्ट्रॉनिक्स तथा अर्धचालक उद्योग को व्यापक लाभ होगा।

<><><><><><><><>

कार निकोबार द्वीप के टीटॉप फिश लैंडिंग सेंटर समुद्र तट पर ऑलिव रिडले कछुओं का लगातार घोंसले बनाना एक महत्वपूर्ण संरक्षण उपलब्धि के रूप में सामने आया है। केन्द्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान, श्री विजयपुरम के शोधकर्ताओं और स्थानीय जनजातीय मछुआरों ने 2023 से प्रारंभ होकर 2026 के आरंभ तक इस तट पर नियमित रूप से कछुओं के अंडे देने की गतिविधि दर्ज की है। टीटॉप बीच कोई आकस्मिक नहीं, बल्कि स्थायी प्रजनन स्थल के रूप में विकसित हो चुका है। वर्ष 2023 में स्थानीय मछुआरों के समन्वित प्रयासों से 150 से अधिक नवजात कछुओं को सुरक्षित समुद्र में छोड़ा गया। फरवरी 2026 में पुनः 100 से अधिक हैचलिंग्स को सुरक्षित बचाकर समुद्र में प्रवाहित किया गया। विशेषज्ञों के अनुसार निरंतर घोंसले बनने की घटनाओं को देखते हुए टीटॉप बीच को औपचारिक रूप से ऑलिव रिडले नेस्टिंग साइट घोषित किया जाना चाहिए, ताकि भविष्य की तटीय विकास परियोजनाएँ समुद्री कछुओं के संरक्षण के अनुरूप संचालित की जा सकें।

<><><><><><><>

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, डॉलीगंज द्वारा प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 के "कौशल केंद्र" पहल के तहत निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। सीमित सीटों वाले इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। उपलब्ध पाठ्यक्रमों में सहायक राजमिस्त्री, सहायक विद्युत तकनीशियन–घरेलू एवं औद्योगि, सौंदर्य विशेषज्ञ, मछली पकड़ने वाले नाव चालक, सौर पीवी इंस्टॉलर, प्लास्टिक पुनर्चक्रण सूक्ष्म उद्यमी तथा सफाई मित्र शामिल हैं। पात्र उम्मीदवार ऑनलाइन आवेदन pmkvy.skillindia.gov.in/home पर पंजीकरण कर अभ्यर्थी पहचान संख्या संबंधित संस्थान में जमा कर सकते है। ऑफलाइन आवेदन सुबह 9 से शाम 4:30 बजे तक आवश्यक प्रमाण–पत्रों सहित किया जा सकता है। आवेदन करने की अंतिम तिथि 25 फरवरी है।

<><><><><><><>

निर्वाचन आयोग ने 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण – एसआईआर से संबंधित तैयारियों को पूरा करने का निर्देश दिया है। आयोग ने इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों से प्रारंभिक कार्य पूरा करने को कहा है।

<><><><><><><>

विश्व मानवविज्ञान दिवस कल मनाया गया। यह दिवस मानव समाज की विविधता, सांस्कृतिक समझ और वैश्विक चुनौतियों के समाधान में मानवविज्ञान की भूमिका के महत्व को बताता है। मानवविज्ञान न केवल अतीत को समझने का माध्यम है, बल्कि वर्तमान और भविष्य की नीतियों को अधिक संवेदनशील और समावेशी बनाने का भी एक प्रभावी माध्यम है। इस अवसर पर विश्वभर के विश्व विद्यालयों, शोध संस्थानों और सामाजिक संगठनों द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। अंडमान–निकोबार द्वीप समूह की राजधानी श्री विजयपुरम् में भी भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण में दो दिवसीय विश्व मानवविज्ञान दिवस मनाया गया। संस्थान में मानव विज्ञानी सात्यिकी पाल ने कहा कि यह आयोजन हमें यह स्मरण कराता है कि मानव समाज की विविधता हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। यह दिन लोगों को संवेदनशील और सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण से देखने के लिए प्रेरित करता है।

बाइट – मानवविज्ञानी (ए एन एस आई)– 43 से0

<><><><><><><>

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के क्षेत्रीय केंद्र में "राजभाषा हिंदी के प्रयोग में सूचना प्रौद्योगिकी का कार्यसाधक ज्ञान" विषय पर त्रैमासिक दो–दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त निदेशक एवं क्षेत्रीय प्रमुख डॉ. लाल जी सिंह मुख्य अतिथि थे। अपने संबोधन में डॉ. सिंह ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यालयीन कार्यों और आधिकारिक पत्राचार में राजभाषा हिंदी के प्रयोग हेतु सूचना प्रौद्योगिकी का अधिक से अधिक उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यमों के प्रभावी उपयोग से हिंदी में कार्य करना सरल, तेज और अधिक पारदर्शी बन सकता है। कार्यशाला के दौरान राजभाषा अधिकारी डॉ. पंकज अरविंद धोले ने "राजभाषा हिंदी के प्रयोग में सूचना प्रौद्योगिकी का कार्यसाधक ज्ञान" विषय पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने हिंदी टंकण, ई–ऑफिस प्रणाली, यूनिकोड, तथा विभिन्न सॉफ्टवेयर उपकरणों के माध्यम से हिंदी के प्रभावी उपयोग पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर क्षेत्रीय केंद्र के सभी वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों ने कार्यशाला में सक्रिय रूप से भाग लिया।

<><><><><><><>

विद्युत विभाग द्वारा सूचित किया गया है कि कल सुबह सात बजे से दोपहर बारह बजे तक गराचरामा फीडर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति अस्थायी रूप से बाधित रहेगी। इस अवधि के दौरान विद्युत संबंधी रखरखाव के कार्य भी संपन्न किए जाएंगे। बिजली आपूर्ति से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में लक्ष्मी मोटर, शिवाजी कॉलोनी, टीआर हाउसिंग, एमआर हाउसिंग, गराचरामा बस्ती, सुभाष नगर, गराचरामा

मेडिकल, काली मंदिर, टीटीआई रोड, पंप हाउस, मुर्दा खाड़ी आई एम एफ सी सहित गराचर्मा फीडर का संपूर्ण क्षेत्र शामिल है।

<><><><><><><><>